Regarding development of Thane Railway Station into a Multi-Model Hub Station

श्री राजन बाबूराव विचारे (ठाणे): सभापति महोदय, भारत में 16 अप्रैल, 1853 में बोरीबंदर से ठाणे तक पहली ट्रेन चलायी गई थी। ठाणे रेलवे स्टेशन एक ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन के रूप में माना जाता है। इस स्टेशन को विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने के लिए 2014 से जनता के प्रतिनिधि के तौर पर मैं कई बार संसद में आवाज उठाते आ रहा हूं। जिसके बाद इस योजना में अड़चन आने वाले जर्जर इमारत को रेलवे प्रशासन ने तोड़ दिया। यहां स्थित स्टेशन मास्टर के कार्यालय व अन्य कार्यालय दूसरे स्थानों पर स्थानांतरित कर दिए गए। लेकिन ठाणे स्टेशन पर यात्रियों को पर्याप्त प्लेटफार्म और बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इसका संज्ञान लेते हुए रेलवे ने, लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल के साथ-साथ दादर, ठाणे, कल्याण और ठाकुर्ली, इन पांच स्टेशनों के विकास के लिए कुल 3600 करोड़ रुपये की राशि आबंटित किया है। जिसमें छत्रपति शिवाजी जी महाराज टर्मिनल के लिए 2500 करोड़ रुपये और ठाणे रेलवे स्टेशन के लिए 983 करोड़ रुपये की स्वीकृति का समावेश है।

मेरे लोक सभा क्षेत्र में ऐतिहासिक ठाणे रेलवे स्टेशन की पहल के लिए मैं केन्द्र सरकार का आभारी हूं। मेरे साथ रेलवे अधिकारियों की बैठक में रेल अधिकारियों ने कहा था कि ठाणे रेलवे स्टेशन को एयरपोर्ट की तर्ज पर मल्टी मॉडल हब के रूप में विकसित करने का काम प्रत्यक्ष रूप से 2024 में शुरू हो जाएगा, लेकिन अब तक इस संबंध में कार्य को गति मिलता नजर नहीं आ रहा है।

ठाणे रेलवे स्टेशन में हर दिन साढ़े सात-आठ लाख यात्रियों की भीड़ रहती है। यात्रियों के बढ़ते भार के कारण ऊपरि-पैदल यात्री पुल, प्लेटफार्म की लंबाई-चौड़ाई एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जल्द से जल्द ठाणे रेलवे स्टेशन की भूमि को मल्टी मॉडल हब स्टेशन में परिवर्तित करके रेलवे की जगह पर पीपीपी मॉडल पर तीन कॉमर्शियल टॉवरों में कॉलोनी, मकान और मल्टी लेवल पार्किंग की सुविधाएं यथाशीघ्र उपलब्ध कराई जाएं।